<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

जिला समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार के दिशा-निर्देश में

दीव से टकराने वाले 'वायु-चक्रवात' से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

दीव 12 जून, 2019 : 12 जून की मध्य रात्रि को 'वायु-चक्रवात' के दीव के तटीय भूभाग से टकरने की आशंका के मद्देनजर प्रशासन ने राहत एवं बचाव के पुख्ता इंतजाम कर लिये हैं। प्रशासक के सलाहकार श्री एस.एस. यादव के मार्गदर्शन एवं दीव समाहर्ता श्री हेमन्त कुमार के दिशा-निर्देश में दीव जिला प्रशासन ने चक्रवात से निपटने के लिए सभी मोर्चे पर कारगर कदम उठाये हैं।

विदित हो कि 'वायु-चक्रवात' की 12 जून की मध्य-रात्रि में दीव के तटीय किनारे से टकराने की संभावना व्यक्त की गई है। इस चक्रवात के दीव में प्रवेश के समय वायु-गति 155-180 किलोमीटर प्रति घंटे होने की आशंका है। चक्रवात की तीव्र गति की संभावना को देखते हुए जिला समाहर्ता के निर्देश पर दीव आने वाले पर्यटकों के आवागमन पर दोपहर 12 बजे से पूर्ण रोक लगा दी गई है। ऐसा जान-माल की सुरक्षा की दृष्टि से किया गया है। दीव के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को वहां से हटाकर या तो राहत शिविरों में पहुँचा दिया गया है या वे स्वत: सुरक्षित स्थलों पर आश्रय ले चुके हैं। दीव के तटीय क्षेत्रों के असुरक्षित घरों में निवास करने वाले तकरीबन 2200 लोगों को सुरक्षित स्थलों पर पहुँचाया गया है। अबतक लगभग 800 लोगों को विभिन्न स्थलों पर बनाये गये राहत शिविरों में रखा गया है। दीव समाहर्ता के दिशा-निर्देश पर कल ही 30 राहत कैंपों की स्थापना कर ली गई थी। इन राहत कैंपों में पेयजल, शौचालय, खाद्य-सामग्रियों की पूरी व्यवस्था की गई है। राहत शिविरों में गैस स्टोव एवं एल.पी.जी. सिलेंडरों की व्यवस्था भी की गई है। आंगनवाड़ी और मध्याह्न भोजन से जुड़े कर्मियों को इन राहत शिविरों में तैनात किया गया है जो वहां शरण लेने वाले लोगों के लिए भोजन तैयार करेंगे। इन राहत शिविरों में तीन दिनों के लिए पर्याप्त खाद्य-सामग्री मुहैया करायी गई है। प्रत्येक राहत केन्द्र में चिकित्सा-सेवा की भी व्यवस्था की गई है ताकि वहां रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

श्री हेमन्त कुमार ने बताया कि लोगों को राहत शिविरों तक पहुँचाने के लिए 10 वाहनों को नियोजित किया गया है। इसके लिए 6 अलग-अलग टीमें बनाई गई है जो लोगों को राहत एवं बचाव कार्य में सहायता प्रदान कर रहे हैं। समस्त विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों को तीन दिनोंके लिए बंद कर दिया गया है। सरकारी मशीनरी पूर्ण रूप से चक्रवात से निपटने में लगी है। इसके लिए समाहर्तालय में चक्रवात नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाईन कक्ष की स्थापना की गई है जो चक्रवात के समय लोगों की समस्याओं को दर्ज कर राहत कर्मियों को सहायता हेतु भेजेंगे।

चक्रवात के दौरान किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए चिकित्सकों के दल को पूर्ण रूप से तैयार रखा गया है। पुलिस को दिशा-निर्देश दिये गये हैं कि वे सभी तटीय किनारों को खाली करवा लें। समुद्र तटों पर लोगों के आवागमन को पूर्णरूप से स्थगित कर दिया गया है। वहां लगने वाली दुकानों को बंद करा दिया गया है ताकि किसी भी प्रकार का नुकसान न होने पाये। होटलों और रेस्तरां मालिकों का दिशा-निर्देश जारी किया गया है कि वे अपने होटलों और रेस्तरां को पर्यटकों से खाली करायें ताकि उन्हें किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। पर्यटकों से अपील की गई है कि वे अगले तीन-चार दिनों तक दीव ना आयें। चक्रवात से निपटने के लिए लाऊड-स्पीकर के जरिये लोगों को जागरूक एवं सतर्क करने का कार्य भी किया जा रहा है। लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी परिस्थिति में न घबरायें और जारी किये जाने वाले समस्त चेतावनियों का पूरा पालन करें। मोबाइल फोन को पूर्ण रूप से चार्ज रखने की सलाह दी गई है, ताकि विद्युत आपूर्ति बाधित होने की दशा में संचार का माध्यम अनवरत जारी रहे।

दीव समाहर्ता ने चक्रवात से निपटने की तैयारियों का आज खुद जायजा लिया। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में लगे कर्मियों को हर परिस्थिति पर कड़ी नजर रखने को कहा। उप-समाहर्ता डॉ. अपूर्व शर्मा ने भी विविध जगहों का मुआयना किया। दमण के उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह ने भी कई स्थलों को जाकर स्वयं खाली करवाया और लोगों को चक्रवात से बचने के लिए विशेष जानकारियां दी। दीव समाहर्ता ने आदेश जारी कर चक्रवात से राहत, बचाव एवं पुनर्वास कार्य के लिए कई अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं जिनमें मुख्य अधिकारी, दीव श्रीमती वंदना राव एवं सुश्री अंकिता मिश्रा को दीव एवं फुदम क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है। दमण के मुख्य अधिकारी श्री वैभव रिखारी को घोघला, सिलवासा के श्री मोहित मिश्रा को वणांकबारा, दीव के उप-वन संरक्षक श्री अश्विन परिहार को साउदवाडी और दमण के उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह को जोलावाडी एवं बुचरवाडा क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है। सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति की देख-रेख का जिम्मा दीव मामलतदार को सौंपा गया है। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कासिम सुल्तान को चक्रवात प्रभावित सभी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिला सूचना अधिकारी श्री जयेश धनधुकिया को संचार माध्यमों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है तथा कार्यकारी अभियंता श्री गोपाल जाधव को जे.सी.बी. एवं अन्य सहयोगी वाहनों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

चक्रवात से पूर्ण रूप से निपटने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है और अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश जारी किया गया है कि वे 24 घंटे तैयार रहें ताकि किसी भी परिस्थिति से सफलतापूर्वक निपटा जा सके।